NCERT SOLUTIONS

CLASS - 10th

aglasem.com

Class : 10th
Subject : हिंदी
Chapter : 1
Chapter Name : पद

Q1 गोपियों द्वारा उद्धव को भाग्यवान कहने में क्या व्यंग्य निहित है?
Answer गोपियों द्वारा उद्धव को भाग्यवान कहने में यह व्यंग्य निहित है कि वह श्री कृष्ण के साथ रहते हुए भी कभी किसी के साथ प्यार के बंधन में नहीं बंध पाए। और यही कारण है कि वह गोपियों की भावनाओं को नहीं समझ सकते हैं। उद्धव वास्तव में भाग्यवान नहीं भाग्यहीन है।

Page:- 7 Block Name:- प्रश्न अभ्यास

Q2 उद्धव के व्यवहार की तुलना किस- किससे की गई है?
Answer उद्धव के व्यवहार की तुलना निम्नलिखित उदाहरणों से की गई है:-
*उद्धव उस कमल के पत्ते के समान है जो जल के अंदर तो रहता है लेकिन उस पर कहीं भी जल का दाग नहीं लगता।
*उद्धव उस तेल की गगरी के समान है जो जल के भीतर रहे फिर भी उस पर एक बूंद जल की नहीं लगती।
गोपिया यह कहना चाहती है कि उद्धव श्री कृष्ण का सानिध्य पाकर भी श्री कृष्ण से बिल्कुल भिन्न है।

Page:- 7 Block Name:- प्रश्न अभ्यास

Q3 गोपियों ने किन-किन उदाहरणों के माध्यम से उद्धव को उलाहने दिए हैं?
Answer गोपियों ने कमल के पत्ते, तेल की गगरी और प्रेम रूपी नदी के उदाहरणों के माध्यम से उद्धव को उलाहने ने दिए हैं। वह उद्धव को कहती हैं कि तुमने कभी प्रेम रूपी नदी में अपना पांव नहीं डुबाया है और ना ही तुम्हारी दृष्टि किसी के सौंदर्य से मुक्त हुई है इसीलिए तुम हमें कृष्ण को बुलाने का संदेश दे रहे हो।

Page:- 7 Block Name:- प्रश्न अभ्यास

Q4 उद्धव द्वारा दिए गए योग के संदेश ने गोपियों की विरह अग्नि में घी का काम कैसे किया?
Answer गोपियों के मन पर श्री कृष्ण की प्रेम की परतें पड़ी है और उन्होंने अपने मन, कर्मों, वचनों से कृष्ण को अपना रखा है। वह कृष्ण से मिलने के लिए उत्साहित हैं पर जब उद्धव उन्हें योग साधना का ज्ञान देते हैं तो वह गोपियों की विरह अग्नि में घी डालने जैसा काम था। जब उद्धव ने उन्हें श्रीकृष्ण को भूल जाने और योग साधना में ध्यान देने के लिए कहा तो गोपियों की विरह और बढ़ गई।

Page:- 7 Block Name:- प्रश्न अभ्यास

Q5 'मरजादा न लही' के माध्यम से कौन-सी मर्यादा न रहने की बात की जा रही है?

Answer 'मरजादा न लही' के माध्यम से सामाजिक प्रतिष्ठा न रहने की बात की जा रही है। गोपियों ने श्री कृष्ण के प्रति अपने प्रेम को कभी किसी के सम्मुख प्रकट नहीं किया, वह चुपचाप कृष्ण के लौटने का इंतजार कर रही थी पर जब उद्धव ने उन्हें आकर योग साधना का संदेश दिया तो उन्हें मजबूरन बोलना पड़ा और अब यह बात सबको पता चल जाएगी।

Page:- 7 Block Name:- प्रश्न अभ्यास

Q6 कृष्ण के प्रति अपने अनन्य प्रेम को गोपियों ने किस प्रकार अभिव्यक्त किया है?
Answer कृष्ण के प्रति अपने अनन्य प्रेम को गोपियों ने निम्नलिखित प्रकार अभिव्यक्त किया है:-
*गोपियों ने अपनी तुलना चिटियों से की है वह कृषि प्रेम में ऐसी दीवानी है जैसे चींटी गुड से लिपटी होती है।
*गोपियों ने खुद को हारिल पक्षी और कृष्ण को हर पक्षी के पैरों में पड़ी लकड़ी के समान बताया है। उन्होंने मन, कर्म और वचनों से इसे दृढ़तापूर्वक पकड़ रखा है वह मन से कृष्ण का मनन करती हैं।
*वह दिन- रात, सोते- जागते, खाते-पीते सिर्फ श्री कृष्ण का नाम लेती रहती हैं।

Page:- 7 Block Name:- प्रश्न अभ्यास

Q7 गोपियों ने उद्धव से योग की शिक्षा कैसे लोगों को देने की बात कही है?
Answer गोपियों ने उद्धव से योग की शिक्षा उन लोगों को देने की बात कही है जिनका मन स्थिर नहीं रहता, चकरी की तरह घूमता रहता है। परंतु गोपियों का मन बिल्कुल स्थिर है वह कृष्ण भक्ति में पूरी तरह से मुग्ध हैं।

Page:- 7 Block Name:- प्रश्न अभ्यास

Q8 प्रस्तुत पदों के आधार पर गोपियों का योग-साधना के प्रति दृष्टिकोण स्पष्ट करें।
Answer गोपियों ने योग साधना को व्यर्थ बताया है और उनके लिए योग साधना एक कड़वी ककड़ी के समान है जैसे कड़वी ककड़ी को खाया नहीं जा सकता वैसे ही वह कृष्ण प्रेम को छोड़कर योग साधना के मार्ग को नहीं अपना सकती हैं। उन्होंने योग साधना के बारे में ना तू कभी देखा है और ना ही सुना है, उन्हें व्यर्थ का ज्ञान नहीं चाहिए।

Page:- 7 Block Name:- प्रश्न अभ्यास

Q9 गोपियों के अनुसार राजा का धर्म क्या होना चाहिए?
Answer गोपियों के अनुसार राजा का धर्म अपनी प्रजा का हित करना और धर्म नीति के मार्ग पर चलने का होना चाहिए।

Page:- 7 Block Name:- प्रश्न अभ्यास

aglasem.com

Q10 गोपियों को कृष्ण में ऐसे कौन-से परिवर्तन दिखाई दिए जिनके कारण वे अपना मन वापस पा लेने की बात कहती हैं?
Answer गोपियां कहती है कि श्री कृष्ण ने राजनीति पढ़ ली है, वह पहले से ही चतुर थे और अब तो ग्रंथों को पढ़कर और चतुर बन गए हैं। तभी वह उद्धव के द्वारा उन्हें निर्गुण भक्ति मार्ग को अपनाने का सुझाव दे रहे हैं। वह दूसरों को नीति सिखाते हैं परंतु गोपियों के साथ अनीतिपूर्ण व्यवहार कर रहे हैं। श्री कृष्ण के स्वभाव से उनको बहुत दुख पहुंचा है इसलिए मैं अपना मन श्री कृष्ण से वापस पा लेना चाहती हैं।

Page:- 7 Block Name:- प्रश्न अभ्यास

Q11 गोपियों ने अपने वाक्चातुर्य के आधार पर ज्ञानी उद्धव को परास्त कर दिया, उनके वाक्चातुर्य की विशेषताएँ लिखिए?
Answer गोपियों के वाक्चातुर्य की विशेषताएं:-
*कृष्ण में एकनिष्ठ प्रेम
*वाक्चातुर्य में व्यंग्यात्मकता
*तर्क क्षमता
*वक्रोक्ति पूर्ण कथन

Page:- 7 Block Name:- प्रश्न अभ्यास

Q12 संकलित पदों को ध्यान में रखते हुए सूर के भ्रमरगीत की मुख्य विशेषताएँ बताइए?
Answer सूर के भ्रमरगीत की मुख्य विशेषताएं:-
भ्रमरगीत में संगीतात्मकता का गुण विद्यमान है।
कवित्त छंद में रचित पद है।
लयबद्धता का निर्वाह है।
अलंकारों का सुंदर प्रयोग।
संवादात्मक शैली।
गोपियों द्वारा व्यंग्यात्मक शैली का प्रयोग करना।
कृष्ण के प्रति अनन्य प्रेम।

Page:- 7 Block Name:- प्रश्न अभ्यास

Q13 गोपियों ने उद्धव के सामने तरह-तरह के तर्क दिए हैं, आप अपनी कल्पना से और तर्क दीजिए।
Answer छात्र स्वयं करें।

Page:- 7 Block Name:- रचना और अभिव्यक्ति

Q14 उद्धव ज्ञानी थे, नीति की बातें जानते थे; गोपियों के पास ऐसी कौन-सी शक्ति थी जो उनके वाक्चातुर्य में मुखिरत हो उठी?

aglasem.com

Answer गोपियों के पास प्रेम और भक्ति की अलौकिक शक्ति थी जो उद्धव जैसे ज्ञानी और नीति में निपुण मनुष्य को भी वाक्चातुर्य में परास्त कर सकती थी।

Page:- 7 Block Name:- रचना और अभिव्यक्ति

Q15 गोपियों ने यह क्यों कहा कि हरि अब राजनीति पढ़ आए हैं? क्या आपको गोपियों के इस कथन का विस्तार समकालीन राजनीति में नज़र आता है, स्पष्ट कीजिए।
Answer गोपियां कृष्ण विरह से व्याकुल कृष्ण के दर्शन करना चाहती थी परंतु जब उद्धव कृष्ण का संदेश लेकर गोपियों के पास आए और इस संदेश में गोपियों को योग साधना का मार्ग अपनाने की बात कही तब गोपियों ने कहा कि कृष्ण ने राजनीति पढ़ ली है।
हां गोपियों के इस कथन का विस्तार समा कालीन राजनीति में नजर आता है क्योंकि आज राजनीति का प्रयोग व्यंग्यात्मक रूप में किया जाता है और वह काफी भ्रष्ट हो चुकी है। राजनेता अपनी बात को बहुत ही घुमा पैदा कर और अनेक अर्थों में लोगों के सामने प्रकट करते हैं।

Page:- 7 Block Name:- रचना और अभिव्यक्ति

aglasem.com